THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

प्रशंसा से शादी समृद्ध हो जाती है।

Appreciation makes a marriage blossom

Author – Eileen Stoecklin

spirituality.com

20 December, 2004

मैं कम से कम सप्ताह में एक बार तलाक के बारे में ज़रूर कल्पना करती थी।

बेशक मैं अपने पति को प्यार करती थी, हमारी कठिनाईयाँ मुझे कमज़ोर कर रही थी। केविन ज्यादा देखरेख, ज्यादा प्यार नहीं करता था, या अपने निर्दयी व्यवहार पर वह अधिक पश्चाताप भी नहीं करता था। काफी सालों तक मैंने उस पर विश्वास नहीं किया, हमारे बीच में पुराने कष्टों की वजह से और मैंने उसे वह सब निरंतर याद भी दिलाया।

फिर भी, एक प्रार्थना करने वाले व्यक्ति होने के नाते, मुझे अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं की वजह से असुविधा महसूस होनी शुरू हो गई। इसलिए मैंने हमारी कठिनाईयों के लिए प्रार्थना करने की कोशिश की। मैं जानती थी कि माफ करना, दूसरों को आशीष देना, प्यार करना कितना जरूरी है। लेकिन फिर भी मैंने सोचा कि शायद मेरी बेरूखी से वह पछतावा करने के लिए प्रेरित होगा। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।

मेरी शादी में कैसे सुधार होगा अगर मेरे पति नहीं सुधरते?

मेरी प्रार्थनाओं का कोई जवाब क्यों नहीं मिल रहा था? इन सब के बावजूद हमारी शादी में कैसे सुधार होगा अगर मेरे पति नहीं सुधरते?

तब 2004 की शुरूआत में, मैं बहुत निराश हो गई। मैं नहीं सोचती थी कि यह मेरे पति या और किसी चीज़ की वजह से था – यह पता नहीं कहाँ से आ गया। मैं मायूस महसूस कर रही थी, निराश और हर एक चीज़ से भयभीत। मेरा वज़न घटना शुरू हो गया और मैंने रोजमर्रा की गतिविधियों से स्वंय को परे कर लिया।

इस समय के दौरान, मैं अपने अस्तित्व के प्रत्येक भाग में **परमेश्वर** को पुकारती थी। मैं कई घंटे बाइबल के विचारों को और दूसरी मनपंसद आध्यात्मिक किताब सॉयस एण्ड हैल्थ विद् की टू द् स्क्रिपचर्स को पढ़ने में व्यतीत करने लगी। मैंने इस विचार कि **परमेश्वर प्रेम** है और मैं पूरी तरह से उस प्रेम के साथ जुड़ी हुई हूँ, के बारे में काफी सोचा। इसने मुझे जीवन, दूसरे लोगों, और सामान्य संसार के बारे में अपने विचारों को अधिक नज़दीक से जानने के लिए प्रेरित किया।

** जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [language], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2011 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 100 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

मुझे महसूस हुआ कि ज्यादातर मैं प्रेममयी, ईमानदार, ध्यान रखने वाली और मौलिक रूप से अच्छी थी – सिवाए इस के कि मैं अपने पति के लिए क्या महसूस करती थीं लेकिन वह मेरी गलती नहीं थी, ठीक?

मै प्रेममयी बनने का चुनाव कर सकी

और तब मैंने सॉयस एण्ड हैल्थ में पढ़ा, "इन्सानी स्नेह व्यर्थ रूप से बाहर प्रवाहित नहीं होता, बेशक इससे कुछ हासिल न हो, प्रेम प्रकृति को समृद्ध करता है, इसे विकसित करते हुए, शुद्ध करते हुए तथा उत्कृष्ट करते हुए।" इसलिए, जितना ज्यादा मैंने मन में वह प्रार्थना की उतना ही ज्यादा मैंने केविन के साथ अपने सम्बन्ध ठीक होते देखे।

मैं एक बदलाव लाना चाहती थी। मैं प्रेममयी बनने का चुनाव कर सकी – चाहे उसने कुछ भी किया हो। इसलिए मैंने एक समय पर एक विचार के साथ शुरू किया।

जब भी मुझे उस पर क्रोध आता, मैं उसे प्रेममयी समर्थन की तरफ मोड़ देती। और जब मुझे वास्तव में उसके लिए अच्छे विचार आते, मैं फोन उठाती और उसे बता देती कि मैं क्या सोच रही थी।

बहुत जल्दी, अच्छे विचार, बुरे विचारों पर हावी होने लगे। मैंने केविन को नोट लिखने शुरू कर दिए, उसे बताने के लिए कि मैं कितना गर्व महसूस करती थी कि वह अपने काम के लिए कितना वफादार था, या कचरा बाहर फेंकने के लिए उसका शुक्रिया करती थी। जब वह कुछ हाज़िर जवाब या व्यंग्यपूर्ण बात करता मैं उसकी प्रशंसा करती और उसके साथ हँसी का आनन्द उठाती। और मैं बुरा नहीं मानती थी जब वह इतना ज्यादा थक जाता था कि मेरे प्रिय कामों की सूची पूरी नहीं कर पाता था।

उसके बाद आए फूल, सद्भावना–और रोमांस भी

और पता है, जल्दी ही केविन ने मुझे अचानक फोन करना शुरू कर दिया उसने परिवार को एक जुट रखने के लिए–घर आने पर अच्छे भोजन, उसके साफ कपड़ों, परिवार की आमदनी में योगदान देने के लिए मेरी सराहना की।

उसके बाद आए फूल, थोड़ी सद्भावना – रोमांस और प्रेम भी। हमने पाया कि अब हम भरसक प्रयत्न कर रहे थे, एक दूसरे का विकास करने के लिए बजाए एक दूसरे को नीचा दिखाने के।

मेरी मायूसी समाप्त हो गई, डर चला गया और निराशा लुप्त हो गई।

इन बदलावों की वजह से, मेरे पति और मैंने हमारे विश्वास को दोबारा बना लिया और हमारे अपने रिश्ते को इतना मजबूत बना लिया जैसा पहले कभी नहीं था। अब हम पहले से करीब थे और एक दूसरे के साथ में आनन्द लेते हैं जब मैं यह लिख रही थी, मैं केविन के द्वारा लाए गए उन सुन्दर गुलाबी फूलों को देख रही थी जो वह पिछले दिन घर लाया था।

प्रेम ने न केवल मेरी प्रार्थनाओं का जवाब दिया और मेरे जीवन को पूर्ण रूप से अच्छे के लिए बदल दिया, साथ ही अब मेरी शादी पहले से बहुत बेहतर बन गई है।

और जब मैं यहाँ बैठी हूँ, आभार और केविन के लिए अच्छे विचारों से भरी हुई, मैं उसे अभी फोन करने के लिए प्रेरित हूँ और उसे बताने के लिए कि मैं कैसा महसूस कर रही हूँ।

Translation © 2011 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 100 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.